MADHUBUN®

Revised Edition

ज्ञान का आधान

As per NCF 2023

योग्यता का निर्माण

मूल्यों का विकास

सकारात्मक मनोवृत्ति का विकास

मधुप

हिंदी पाठमाला 5

360° Learning

mystudygear

Download

Name Suheera Asif

Subject Hindi

D. 5th C DIV.

ll No.

hool The Scholar School

लोकतांत्रिक एवं सामुदायिक भागीदारी

आर्थिक भागीदारी

सांस्कृतिक भागीदा

पाठ विवरण

क्रम	पाठ का नाम	पृष्ठ सं.	व्याकरण-बिंदु Grammar	विषय संवर्धन गतिविधियाँ Subject Enrichment Activities	गहन चिंतन कौशल Critical Thinking Skills	पाठ-उद्देश्य Purpose	शिक्षण की संप्राप्तियाँ Learning Outcome
❀	खेल-खेल में	9					
❀	सुनो-सुनाओ	10					
1.	सतरंगी धूप कविता	12	लिंग, सामासिक शब्द, वर्ण-विच्छेद, वाक्य प्रयोग	चित्र वर्णन, वैज्ञानिक सोच, महीनों के नाम, कविता लेखन	बच्चों को प्रतिक्रिया देने एवं स्वयं के तर्क अभिव्यक्त करने हेतु प्रेरित करना। परोपकार का भाव जगाना।	कविता का शुद्ध और स्पष्ट वाचन करवाना, धूप के महत्व से अवगत करवाना, लिंग, सामासिक शब्दों, वर्ण-विच्छेद तथा वाक्य रचना करवाना	धूप की महत्ता से अवगत होंगे, स्वरबद्ध तरीके से कविता पाठ करेंगे, कुछ व्याकरणिक बिंदुओं एवं वर्णों की जानकारी होगी।
2.	लाला पटेल की 'लायबरी' कहानी	21	विलोम, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, वर्ण-विच्छेद, संज्ञा-भेद, सर्वनाम	फ़िल्म देखकर अनुभव लेखन, पुस्तकालय के नियम, जानकारी	बच्चों को स्थान विशेष का महत्व पहचानने, विश्लेषण करने तथा अपनी प्रतिक्रिया देने हेतु प्रेरित करना।	समाज-सेवा, लगन, आत्मविश्वास जैसे जीवन मूल्यों का विकास, शुद्ध उच्चारण के साथ पठन, आज़ादी से पूर्व की स्थिति का ज्ञान, सर्वनाम की जानकारी, पुस्तकालय का महत्व बताना, पात्रों के गुण अपनाने को प्रेरित करना	शुद्ध उच्चारण करेंगे, आज़ादी से पूर्व की स्थिति जानकर वर्तमान स्थिति की तुलना कर सकेंगे, अपने भावों की अभिव्यक्ति में सक्षम बनेंगे, पुस्तकालय का महत्व बता पाएँगे, सर्वनाम शब्दों का सही प्रयोग करेंगे।
❀	गिनती	31					
3.	मैं हूँ मुंबई आत्मकथा	32	समानार्थी, सामासिक शब्द, 'र' के रूप, विशेषण-विशेष्य	शैक्षिक भ्रमण, एलबम, आत्मकथा-लेखन, जानकारी	बच्चों को वस्तु विशेष की उपयोगिता समझने तथा उसकी अनुपस्थिति के परिणामों पर चिंतन तथा प्रतिक्रिया देने हेतु प्रेरित करना।	सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण, गतिशीलता, सहयोग जैसे मूल्यों पर बल, हाव-भाव सहित पाठ का शुद्ध पठन, मुंबई की संस्कृति की जानकारी देना, आत्मकथा-लेखन, विशेषण-विशेष्य का प्रयोग बताना।	पाठ के भावों को समझेंगे, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक विरासत को सहेजेंगे, अपने बारे में बता और लिख पाएँगे, विशेषण-विशेष्य की पहचान और प्रयोग करेंगे।
4.	समय मूल्यवान है कविता	41	अनेकार्थी, संज्ञा, शब्द-परिवार, अपठित गद्यांश	स्लोगन, अनुच्छेद, दिनचर्या निर्माण, कविता लेखन	बच्चों को किसी स्थिति पर अपनी प्रतिक्रिया प्रस्तुत करने हेतु प्रेरित करना।	अनुशासन, समय का पालन, परिश्रम, गुणों की पहचान जैसे मूल्यों का विकास करना, कविता का सस्वर पाठ करवाना, समय का महत्व बताना, अर्थग्रहण की क्षमता बढ़ाना।	समय के पाबंद बनेंगे, कविता के साथ अपने अनुभव जोड़ पाएँगे, अपने अनुभव और कल्पना संसार को सहज ढंग से व्यक्त करेंगे, अर्थग्रहण कर सकेंगे।
❀	बोलो-बोलो	48					
5.	गुलीवर की यात्रा कहानी	50	अनुस्वार-अनुनासिक, अनेकार्थी, कारक, योजक	अनौपचारिक पत्र, प्रेज़ेंटेशन, नाटक-लेखन और मंचन, तुलना	बच्चे किसी समस्या पर गंभीरता से चिंतन कर उचित निवारण ढूँढ़ने तथा अपने तर्क प्रस्तुत करने को प्रेरित होंगे।	रुचि, सहृदयता, सहयोग, मित्रता जैसे मूल्यों का विकास, संकेतों (साइन लैंग्वेज) के प्रयोग में सक्षम बनाना, गुलीवर की रोचक यात्रा के बारे में बताना, देखी-पढ़ी बातों को समझकर अंतर और प्रतिक्रिया देने में सक्षम बनाना।	यात्राओं का आनंद उठाएँगे, शुद्ध उच्चारण करेंगे, देखी-सुनी बातों पर प्रतिक्रिया देंगे, संकेतों द्वारा अपनी बात कह सकेंगे।
6.	पोते का पत्र दादा जी के नाम पत्र	59	श्रुतिसमभिन्नार्थक, वचन, शब्द-निर्माण, क्रिया, क्रिया-भेद, विराम-चिह्न	पत्र-लेखन, चर्चा, चित्र निर्माण, वाद्ययंत्रों से परिचय	बच्चों को चिंतन और विश्लेषण द्वारा सही तर्क प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित करना। बुज़ुर्गों के प्रति स्नेह और सम्मान का भाव होना।	प्रकृति-प्रेम, स्वस्थ जीवन-शैली, तवांग की जानकारी देना, अपने बुज़ुर्गों के प्रति स्नेह और सम्मान का भाव जगाना, पाठ का शुद्ध उच्चारण के साथ पठन करवाना, क्रिया-क्रिया भेद का ज्ञान कराना, अनौपचारिक पत्र का प्रारूप बताते हुए पत्र लिखवाना।	बच्चे तवांग के बारे में जानेंगे, पाठ का शुद्ध उच्चारण करेंगे, क्रिया-क्रिया भेद पहचानेंगे, पत्र लिखेंगे वाद्य यंत्रों को पहचान पाएँगे।
❀	शब्द-खेल	68					
7.	बहू और बिल्ली चित्रकथा	69	लिंग, सामासिक शब्द, विशेषण-विशेष्य, विशेषण से भाववाचक संज्ञा बनाना, वाक्य-निर्माण	सामाजिक चर्चा, कहानी-लेखन	बच्चों को संभावित घटना पर प्रतिक्रिया देने के लिए प्रेरित करना।	जागरूकता, सजगता, संवेदना, पशु-प्रेम जैसे मूल्यों का विकास, पाठ का शुद्ध उच्चारण के साथ पठन करवाना, समाज में फैले अंधविश्वास तथा आडंबरों के बारे में बताना, भाववाचक संज्ञा का निर्माण बताना।	पाठ का शुद्ध उच्चारण करेंगे, पशुओं के प्रति अच्छा व्यवहार रखेंगे, अंधविश्वासों का विरोध करेंगे, भाषा की व्याकरणिक इकाइयों का उचित प्रयोग करेंगे, अपनी कल्पना से कहानी लिखेंगे।
8.	फूल और काँटा कविता	78	पर्यायवाची, क्रिया, लिंग, अनेकार्थी, वर्ग-पहेली	विचार-लेखन, मूल संदेश लेखन और चित्र-निर्माण, साक्षात्कार	बच्चों को क्रिया-प्रतिक्रिया संबंधी तर्क देकर अपने विचारों को दृढ़ता से प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित करना।	प्रकृति-प्रेम, सद्गुण, बड़प्पन को अपनाने की सीख देना, कविता का सस्वर और शुद्ध उच्चारण के साथ पठन करवाना, सज्जन-दुर्जन व्यक्तियों की पहचान करवाना, लिंग, क्रिया के बारे में बताना।	सद्गुण अपनाकर सज्जन बनेंगे, हाव-भाव सहित कविता-पाठ करेंगे, अच्छे-बुरे की पहचान करेंगे, भाषा की लय-तुक का ध्यान रखकर कविता-लेखन करेंगे।

पाठ विवरण

क्रम	पाठ का नाम	पृष्ठ सं.	व्याकरण-बिंदु Grammar	विषय संवर्धन गतिविधियाँ Subject Enrichment Activities	गहन चिंतन कौशल Critical Thinking Skills	पाठ-उद्देश्य Purpose	शिक्षण की संप्राप्तियाँ Learning Outcome
9.	शिष्टाचार लेख	85	समानार्थक, संज्ञा-भेद, र के रूप, ऋ की मात्रा, उपसर्ग-प्रत्यय, अपठित पद्यांश	सूची-निर्माण, चार्ट पेपर गतिविधि, कहानी-लेखन	बच्चे स्थिति की गंभीरता को समझकर अपनी प्रतिक्रिया देंगे।	अनुशासन, विनम्रता, स्वाभिमान, कृतज्ञता, शिष्टता जैसे मूल्यों का विकास, पाठ का शुद्ध उच्चारण के साथ पठन करवाना, शिष्टाचार पर विशेष बल देना, उपसर्ग-प्रत्यय का ज्ञान कराना, कठिन शब्दों का अर्थ और अभ्यास करवाना।	बच्चे अनुशासित और शिष्ट बनेंगे, शुद्ध उच्चारण करेंगे, नए-नए शब्दों का निर्माण करेंगे, कठिन शब्दों के अर्थ जानकर उनका प्रयोग करेंगे।
❀	पढ़ो-पढ़ो	96					
10.	उम्मीद प्रेरक प्रसंग	98	विलोम, वचन, मुहावरे	क्रम, चर्चा, समाचार—पठन-वाचन, सूची-निर्माण	बच्चे चिंतन करके व्यक्ति विशेष की उपयोगिता समझेंगे और परिवर्तित स्थिति पर अपनी प्रतिक्रिया देंगे।	देशप्रेम, आशावादी दृष्टिकोण, समर्पण, बलिदान जैसे मूल्यों का विकास करना, पाठ का शुद्ध उच्चारण के साथ पठन करवाना, भारतीय सेना के पराक्रम से परिचित कराना।	बच्चे भारतीय सेना के पराक्रम को समझेंगे, पाठ्यपुस्तक से इतर सामग्री को समझेंगे और उसके बारे में बताएँगे, मुहावरों का प्रयोग करेंगे।
❀	भाषा-खेल	107					
11.	ज्ञान किसी की निजी संपत्ति नहीं होती कहानी	108	समानार्थी, काल, विराम-चिह्न, अशुद्धि शोधन, लिंग	अनुच्छेद लेखन, चर्चा, प्रश्न निर्माता	बच्चे स्थिति विशेष पर प्रतिक्रिया देने के लिए प्रेरित होंगे।	पाठ के मूल भाव से अवगत कराना, ज्ञान के महत्व से अवगत करवाना, घमंड न करना, पाठ का स्पष्ट और शुद्ध वाचन करवाना।	शिक्षा का महत्व जानेंगे, घमंड नहीं करेंगे। अनुच्छेद लिखना, प्रश्नोत्तरी बनाना आदि सीखेंगे।
❀	हँसो-हँसाओ	117					
12.	कबीर की वाणी दोहे	118	मानक रूप, समानार्थक, अनेक शब्दों के स्थान पर एक शब्द, सर्वनाम, अनुस्वार-अनुनासिक	दोहा-संग्रह, अंत्याक्षरी, परिचय	बच्चों को व्यक्ति विशेष की उपयोगिता बताते हुए तथा उसकी अनुपस्थिति के प्रभाव पर प्रतिक्रिया देने के लिए प्रेरित करना।	सत्य, धैर्य, मधुर वाणी जैसे मूल्यों का विकास, पाठ का सस्वर पाठ करवाना, मानक वर्तनी का ज्ञान।	बच्चे शुद्ध उच्चारण करेंगे, पाठ में निहित जीवन मूल्यों को अपनाएँगे, मानक वर्तनी का प्रयोग करेंगे।
13.	हवा की दुनिया विज्ञान कथा	125	कि-की/में-मैं, संयुक्त-द्वित्व वर्ण, संज्ञा-सर्वनाम, क्रियाविशेषण, मुहावरे	जानकारी, अनुच्छेद, प्रश्नावली-निर्माण, संवाद-लेखन	बच्चों को चिंतन और तर्क सहित प्रतिक्रिया देने के लिए प्रेरित करना।	आदर, जिज्ञासा, उत्साह, जैसे मूल्यों तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास, पाठ का शुद्ध उच्चारण के साथ पठन, क्रियाविशेषण की पहचान।	बच्चे जिज्ञासु, उत्साही बनेंगे, क्रियाविशेषण को जानकर प्रयोग करेंगे, विज्ञान में प्रयुक्त शब्दावली का प्रयोग करेंगे।
❀	दिमाग लगाओ पहेली सुलझाओ	134					
14.	मिलिए शूटिंग गर्ल मनु भाकर से साक्षात्कार	135	पर्यायवाची, उपसर्ग, आगत शब्द, अशुद्धि शोधन, परसर्ग	सूची-निर्माण, जानकारी, जीवन परिचय लेखन, साक्षात्कार लेना	बच्चों से स्थिति विशेष पर प्रतिक्रिया की अभिव्यक्ति करवाना।	खेल भावना, अनुशासन, लगन, श्रम का विकास, पाठ के शुद्ध उच्चारण के साथ पठन, मनुभाकर तथा साक्षात्कार विधा से परिचय	खेल के प्रति रुचि जागृत होगी, साक्षात्कार कर पाएँगे। खेल-खिलाड़ियों को जानेंगे, प्रतियोगिता का महत्व समझेंगे।
❀	लिखो-लिखो	144					
15.	मेरा देश कविता	146	मानक रूप, वर्ण-विच्छेद, विलोम, शब्दकोश का क्रम, वाक्य-निर्माण	चार्ट बनाना, कविता-वाचन, सूची-निर्माण, अनुच्छेद-लेखन	बच्चों को संभावित स्थितियों में प्रतिक्रिया देने एवं स्वयं को अभिव्यक्त करने हेतु प्रेरित करना।	देशप्रेम, गर्व, सत्य-अहिंसा, समानता, प्रेम जैसे मूल्यों का विकास, कविता का सस्वर वाचन और पठन कराना, देश की विशेषताओं और महान विभूतियों का परिचय, शब्दकोश-क्रम, मानक वर्तनी पर ध्यान दिलाना, वाक्य-निर्माण करवाना।	बच्चे देशभक्त बनेंगे, स्वरबद्ध तरीके से कविता-वाचन करेंगे, मानक शब्दों का प्रयोग करेंगे, शब्दकोश का प्रयोग करेंगे।
❀	क्या तुम्हें याद है...	152					

अतिरिक्त पठन — साहित्यिक विधाओं का संगम — सुनो-पढ़ो-गुनो 153-160

1 सतरंगी धूप

13 CLIMATE ACTION

पाठ-प्रवेश

- आने से उसके होता है दिन, जाने से उसके होती है रात।
  कैसी अनोखी अजब है बात, नाम बताओ वरना मानो हार।
  क्या आप इस पहेली का उत्तर जानते हैं? (Problem Solving)
  बहुत बढ़िया। चलिए, अब कविता पढ़कर इसके बारे में और भी बातें जानें।

CG-2.2

रात ढले उजियारा फैले
झट आँगन में पसरे धूप,
पंख पसारे जब पंछी तब
उन पंखों पर भी चमके धूप।

धरती जब अँगड़ाई ले तो
कोने-कोने उछले धूप,
पर्वत की चोटी पर फिसले
झरनों पर मुसकाए धूप।
मोरों के पंखों पर चमके, सतरंगी बन जाए धूप।

बोध
- पक्षी के पंखों पर कौन चमकता है?

गरमी में आँखें दिखलाए
भीतर हमें भगाए धूप,
सरदी-बेदर्दी जब आए
सहमी-सहमी आए धूप।

जब बसंत की बजे ढपलियाँ
गुन-गुन करती गाए धूप,
शरद ऋतु की बनी सहेली
कितनी प्यारी लागे धूप!
छम-छम करती बरखा के संग, सतरंगी बन जाए धूप।

सागर की चंचल लहरों पर
ठुमक-ठुमककर उतरे धूप,
सरसों के पीले फूलों पर
सोनजूही-सी लागे धूप।
पेड़ों के पत्तों से लुक-छिप
आँख-मिचौनी खेले धूप,
श्रमिकों के माथे पर
चम-चम, मोती-सी दमके धूप।
धरती पर जीवन देने को, सतरंगी बन जाए धूप।

—अज्ञात

बोध
- धूप सहेली कब बन जाती है?

माइंड मैप

CG-1.1

1. फैलती है— आँगन में
2. चमकती है— पंछी के पंखों पर
3. उछलती है— धरती के अँगड़ाई लेने पर
4. फिसलती है— पर्वतों की चोटी पर
5. मुसकाती है— झरनों पर
6. सतरंगी बनती है—
   - मोर के पंखों पर
   - बरसात में
7. आँख दिखाती है— गरमी में
8. सहम जाती है— सरदी में
9. गुनगुनाती है— वसंत ऋतु में
10. सहेली बनती है— शरद ऋतु की
11. ठुमकती है— सागर की लहरों पर
12. सोनजूही-सी लगती है— सरसों के फूलों पर
13. आँख-मिचौनी खेलती है— पेड़ों के पत्तों के साथ
14. मोती बनकर चमकती है— श्रमिकों के माथे पर
15. जीवन देती है— धरती पर

सतरंगी धूप

अभ्यास

बोलिए

CG-4.1

1. पढ़िए
   उजियारा, आँगन, अँगड़ाई, सतरंगी, बेदर्दी, ढपलियाँ, सोनजूही, श्रमिक
2. बताइए
   क. रात ढलने पर क्या होता है?
   ख. मोर के पंखों पर पड़नेवाली धूप कैसी हो जाती है?
   ग. किस मौसम में धूप हमें भीतर भगा देती है?
   घ. किस ऋतु में धूप गुनगुनाती हुई-सी लगती है?
3. सोचिए/मूल्यपरक प्रश्न CG-2.1 (Life Skills and Values)
   क. क्या हम धूप को परोपकारी कह सकते हैं? यदि हाँ, तो कैसे?
   ख. सूरज सभी को अपनी धूप बिना भेदभाव के देता है। क्या हम भी बिना भेदभाव के एक-दूसरे के साथ रह सकते हैं?

लिखिए

1. सही उत्तर पर सही (✓) का निशान लगाइए—
   क. धूप कहाँ पर मुसकाती है?
   ☐ सागर पर ☑ झरनों पर ☐ आँगन में ☐ पर्वतों पर
   ख. धूप कब सहम जाती है?
   ☑ सरदी में ☐ गरमी में ☐ वर्षा में ☐ पतझड़ में
2. उचित शब्द से पंक्तियाँ पूरी कीजिए—
   क. रात ढले उजियारा फैले
   झट आँगन में पसरे धूप,
   पंख पसारे जब गरमी में तब
   उन पंखों पर भी चमके सागर की लहरें पर

Do it again

ख. गरमी में में आँखें दिखलाए
भीतर हमें भगाए धूप,
सरदी बेदर्दी जब आए
सहमी-सहमी आए धूप।

3. कुछ शब्दों में उत्तर लिखिए—

क. धूप कब आँखें दिखलाती है?

गरमी में

ख. धूप कहाँ पर ठुमकते हुए उतरती है?

सागर की लहरों पर

ग. सरसों के पीले फूलों पर धूप कैसी लगती है?

सोनजूही सी

4. कुछ वाक्यों में उत्तर लिखिए—

क. 'धरती के अँगड़ाई लेने' का अर्थ क्या है?

ख. 'गरमी में आँखें दिखलाए' से कवि का क्या तात्पर्य है?

ग. धूप कब-कब सतरंगी हो जाती है?

घ. धरती पर जीवन देने कौन आती है और कैसे?

समझिए व्याकरण संबोध

1. लिंग से किसी भी शब्द के स्त्री या पुरुष जाति होने का पता चलता है। स्त्री जाति का बोध कराने वाले शब्द **स्त्रीलिंग** और पुरुष जाति का बोध कराने वाले शब्द **पुल्लिंग** कहलाते हैं।

निम्नलिखित शब्दों में से स्त्रीलिंग/पुल्लिंग शब्द अलग करके लिखिए— CG-3.4

रात, धूप, पंख, पर्वत, चोटी, आँखें, सागर, श्रमिक

स्त्रीलिंग — रात पंख चोटी आँखे

पुल्लिंग — धूप पर्वत सागर श्रमिक

2. 'धरती पर जीवन देने को, सतरंगी बन जाए धूप।' यहाँ 'सतरंगी' शब्द एक सामासिक शब्द है। यह द्विगु समास का उदाहरण है। द्विगु समास का पहला पद संख्यावाची होता है। इस प्रकार सतरंगी यानी सात रंगों का समूह या समाहार।

नीचे दिए गए चित्रों के लिए द्विगु सामासिक शब्द लिखिए— CG-3.4

त्रिकोण

चौराहा

तिरंगा

षटकोण

3. वर्ण-विच्छेद कीजिए—

उजियारा — उ + ज् + इ + य् + आ + र् + आ

मुसकाए — मु + स् + उ + क + आ + ए + ...

सतरंगी — स + त + र + ं + ग + ई + ...

सोनजूही — सो + न + जू + ह + ई

4. इन शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए— CG-3.4 (Creative Thinking)

उजियारा — ..... — .....

पसारे — ..... — .....

श्रमिक — ..... — .....

सहमी — ..... — .....

चंचल — ..... — .....

कीजिए विषय संवर्धन गतिविधियाँ (Subject Enrichment Activities)

1. आपने धूप पर आधारित कविता पढ़ी है। अब आप छाँव पर स्वरचित कविता लिखिए। उसमें बताइए कि छाँव होने पर प्रकृति में कौन-कौन-से बदलाव आते हैं? CG-3.2

(Environmental Literacy/Creative Thinking)

2. देखिए और बताइए, किन दो चित्रों में क्या गलत है और क्यों— CG-1.3 (Critical Thinking)

3. जिनके लिए धूप ज़रूरी है, उनपर गोला लगाइए और बताइए कि धूप से इन्हें क्या फ़ायदा है।

खेती	फल	फूल	खुरपी
जीवन	हवाई जहाज़	वर्षा	तीन

CG-1.3

H.W

4. चित्र देखकर उसके बारे में लिखिए— CG-3.1 (Creative Thinking)

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

5. एक चार्ट पेपर पर शिक्षक-शिक्षिका की सहायता से हिंदी महीनों के नाम लिखिए और देखिए कि ये अंग्रेज़ी के किन महीनों में आते हैं।

क्या होता यदि...

(Critical Thinking)

- पूरे साल एक जैसा मौसम होता।

CG-2.1

सीखिए

CG-4.1

शब्दार्थ एवं टिप्पणियाँ (विशिष्ट प्रयोग)

उजियारा	— उजाला	शरद ऋतु	— सरदियाँ आरंभ होने का समय
पसरे	— फैले	बरखा	— बारिश
अतरंगी	— सात रंगों वाली	दमकाना	— चमकाना
बेदर्दी	— निर्दयी	धरती	— पृथ्वी

मुहावरे

CG-4.1

आँख दिखाना — गुस्सा प्रकट करना

अपठित पद्यांश

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए— CG-2.2

सुबह-सुबह ही पूर्व दिशा में,
छा जाती लाली।
और झूमती पुरवाई भी,
शीतल मतवाली।

खग कलरव मधुमय रस घोले,
और काग की काँव।
प्रकृति जहाँ पर रूप सँवारे,
ऐसा मेरा गाँव।

क. लाली कब और कहाँ छा जाती है?

.....

ख. शीतल मतवाली क्या है?

.....

ग. मधुमय रस कौन घोलता है?

.....

घ. खग का पर्यायवाची लिखिए।

.....

शिक्षण-संकेत— शिक्षिका बच्चों को Audio से या पढ़कर सुनाएँ और छोटे-छोटे प्रश्न पूछें। बच्चे ध्यानपूर्वक सुनकर प्रश्नों के उत्तर दें।

घुघुती बसूती

(Art Integration)

CG-2.1

कथा, कथगुली, आणा, पखाणा
स्येगेनी तेरा खेल खिलौणा।
दिवा बाती जून गैणा,
स्येगेनी सेरा उजाला हे...।
स्येजा स्येजा तू भी स्येजा बाला हे।
स्येजा स्येजा तू भी स्येजा बाला हे।

घुघुती बसूती!
क्या खान्दि?
दुध भाती?
के उन्दा?
काँसै थकुली?
कु देली?
ब्वे मेरी!!!

ऐजा ऐजा हे निंदरा,
यूँ बाली आँखयूँ मा सर।
लीजा लीजा बाला थै नी,
स्वीणों की पाख्यूँ मा सर।

राजा राण्यूँ का देस मा,
चम चमकीला भेस मा,
तेरा सूना का गला मा,
झिलमिल मोत्यूँ की माला हे।
स्येजा स्येजा तू भी स्येजा बाला हे।
स्येजा स्येजा तू भी स्येजा बाला हे।

शिक्षण-संकेत— यह गढ़वाली लोकगीत है। इस गीत का का अर्थ pandav's youtube के द्वारा बच्चों को समझाया जा सकता है। शिक्षिका बच्चों को कविता Audio/youtube से या पढ़कर सुनाएँ और छोटे-छोटे प्रश्न पूछें। बच्चे कविता को ध्यानपूर्वक सुनकर प्रश्नों के उत्तर दें।

2 लाला पटेल की लायबरी

पाठ–प्रवेश

- ज्ञान का भंडार हूँ मैं, पुस्तकों का संसार हूँ मैं, मनोरंजन का खज़ाना कहते हैं मुझे, नाम बताओ कौन हूँ मैं? बच्चो, इस पहेली का हल बताइए। CG-2.2
- बच्चो, आज हम इस पाठ को पढ़कर आज़ादी से पहले एक गाँव में बनी लायब्रेरी और उससे आए परिवर्तनों को जानेंगे।

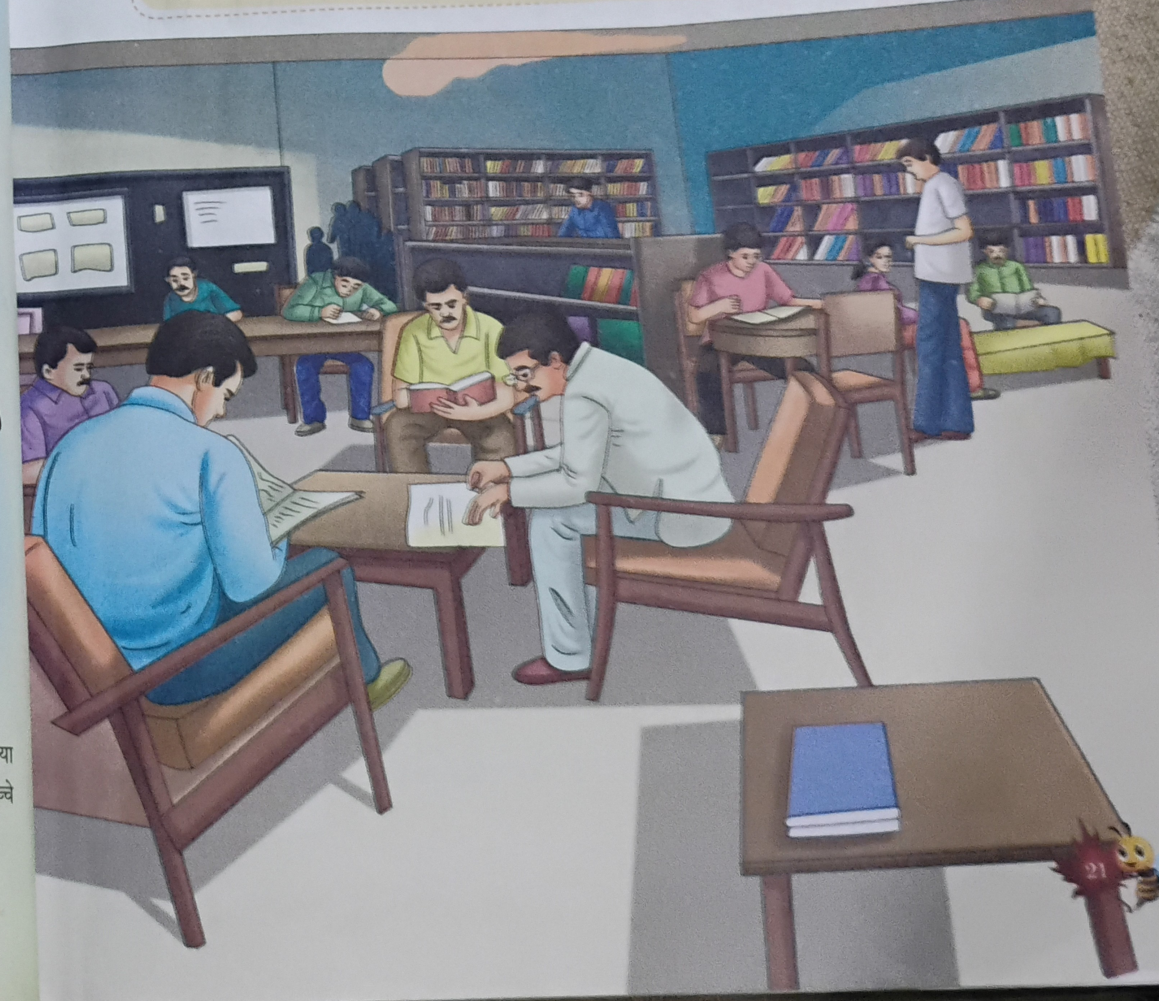

बहुत साल पहले की बात है। भारत में अंग्रेज़ों का राज था। चारों तरफ़ आज़ादी के नारे गूँज रहे थे। गाँवों का जीवन बदल रहा था। लाला पटेल का गाँव गुजरात में था। गाँव में बिजली आ गई थी। नई सड़कें बन रही थीं। किसान खेतों में नए बीज बो रहे थे। नई खाद डाल रहे थे।

लाला पटेल गाँव के बुज़ुर्ग थे। सब उनकी सलाह लेते। लाला पटेल अनपढ़ थे। वे सरकारी फ़रमान पढ़ नहीं पाते थे। सरकारी अफ़सर शहर से आते। गाँव के लोगों पर अंग्रेज़ों में रोब जमाते। अनपढ़ होने का ताना देते। एक दिन लाला पटेल ने सोचा, ''सरकारी बाबू हमें गँवार समझते हैं। खेती करना क्या आसान है? उसमें भी सूझ-बूझ चाहिए। किसान खेत तैयार करता है। धान उगाता है। पशुओं की देखभाल करता है। मेरे पास ज़मीन है। मैं खेती करूँगा। इस उम्र में मुझसे लिखना-पढ़ना नहीं होगा।''

यह सोचकर लाला खेती करने लगे। एक दिन सरकारी फ़रमान आया। गाँव में 'लायब्रेरी'— पुस्तकालय बनेगा। लोग सोच में पड़ गए। लाला पटेल से सलाह लेनी होगी।

सभा बुलाई गई। लाला पटेल सभा में आए। चौपाल पर चर्चा शुरू हुई। मुखिया ने लोगों को 'लायब्रेरी' के बारे में बताया— 'लायब्रेरी' यानी ग्रंथालय, जिसमें किताबें रखी जाएँगी,

बोध

- एक दिन क्या सरकारी फ़रमान आया?

अखबार रखे जाएँगे। लोग यहाँ आकर पढ़ सकते हैं। गाँव के लोग 'लायब्रेरी' बनवाना चाहते थे। लाला पटेल ने सभी लोगों की बात सुनी। वे साहब से बोले, ''बाबू साहब, गाँववालों की यही इच्छा है। 'लायब्रेरी' के लिए मैं भी राज़ी हूँ।''

गाँव में 'लायब्रेरी' बनाने की तैयारी शुरू हो गई। गाँव के एक मकान में 'लायब्रेरी' बनी। ग्रंथालय के अफ़सर को 'ग्रंथपाल' कहते हैं। लेकिन लोगों के लिए ये नाम कठिन थे। उन्होंने अपने ही नाम ईजाद कर लिए। 'लायब्रेरी' के लिए 'लायबरी' और 'ग्रंथपाल' के लिए 'किताब बाबू'। गाँव की 'लायबरी' के 'किताब बाबू' शहर से आए थे। उनका नाम था—केशव भाई।

'लायबरी' सबके मिलने की जगह बन गई। केशव भाई लोगों को पढ़ना-लिखना सिखाने लगे। बड़े-बूढ़े इस उम्र में सीखते-सीखते एक-दूसरे का खूब मज़ाक उड़ाते। लाला पटेल भी इस पढ़ने-पढ़ाने और सीखने के खेल में शामिल हो गए।

पढ़ने वालों की संख्या दिन दूनी रात चौगुनी होती गई। औरतें भी 'लायबरी' में आने लगीं। केशव भाई का काम बढ़ गया। वे गाँव के लोगों को साक्षर बनाना चाहते थे। 'लायबरी' का यही संदेश था। एक दिन एक बढ़ई 'लायबरी' में आया। लकड़ी काटने की बिजली की नई मशीन के बारे में उसने सुना था। केशव भाई ने किताब निकालकर दी। उसे लकड़ी की अच्छी-अच्छी चीज़ें बनाने की जानकारी मिली। उसने तय किया कि वह 'लायबरी' ज़रूर आएगा।

एक दिन केशव भाई का चेहरा मुरझाया हुआ था। उसपर गहरी चिंता स्पष्ट दिख रही थी। लाला पटेल ने केशव भाई से पूछा, ''क्या बात है केशव भाई? किस चिंता में हो?'' केशव ने जवाब दिया, ''सरकार का हुकुम आया है। मुझे नौकरी से छुट्टी दे दी गई है।'' लाला को बहुत अचरज हुआ। उन्होंने केशव भाई से इस हुकुम का कारण पूछा। केशव भाई ने बताया, ''हमारे गाँव के कुछ लड़के पकड़े गए हैं। वे आज़ादी की लड़ाई में शामिल हो गए थे। पुलिस कहती है कि लड़कों को मैंने भड़काया है। मैं सरकार के खिलाफ़ हूँ...। लाला जी, मैं अपने गाँव लौटना चाहता हूँ। आप लोगों से मैंने बहुत कुछ सीखा। आपने अपनी बंजर ज़मीन को एक बार फिर हरा-भरा बना दिया। धान की पैदावार दुगुनी कर दी। गाँव में मेरी भी थोड़ी ज़मीन है। मैं उसे खेती के लिए तैयार करूँगा। उस पर खेती करूँगा।... गांधी जी आज़ादी की लड़ाई लड़ रहे हैं। हम सबको उनका साथ देना है।''

बोध

- केशव भाई के लिए सरकार का क्या हुकुम आया?

'लायबरी' में जमा लोग परेशान थे। लाला पटेल का चेहरा उदास था। सभी सोच डूबे थे। अब क्या होगा? अचानक लाला पटेल का चेहरा खिल उठा। वे अपनी कुर्सी बोले, "बाबू, यह लाला अभी ज़िंदा है। मरा नहीं है। 'लायबरी' मैं चलाऊँगा।"

बोध

- लाला पटेल ने किसके सपने को साकार करने की बात कही?

वहाँ जमा सभी लोगों के मुँह से निकला, "हाँ, केशव भाई। लाला पटेल 'लायबरी' के किताब बाबू होंगे।" लाला जोश में आ गए और बोले, "आप चिंता न करें केशव भाई। 'लायबरी', 'चरखा' और 'खेत', ये हमारे गाँव के मंदिर, मसजिद और गिरजाघर होंगे। बापू का सपना हम साकार करेंगे।" यह सुनकर लोगों की आँखों में चमक आ गई।

लोगों में नया आत्मविश्वास था। उनमें नई ताकत थी। लाला पटेल और 'लायबरी' का साथ था। इस तरह लाला पटेल 'लायबरी' के किताब बाबू बन गए। वे किसान थे। अनपढ़ थे। 'लायबरी' में उन्होंने पढ़ना-लिखना सीखा। 'लायबरी' चलाने का तरीका सीखा। लोगों ने 'लायबरी' का नाम—'लाला पटेल की लायबरी' रख दिया।

आज़ादी की लड़ाई में गाँववालों ने भी हिस्सा लिया। अहिंसा को अपना शस्त्र बनाकर लाला पटेल 'लायबरी' चलाते रहे। लाला पटेल की 'लायबरी' की महिमा को लोग आज भी याद करते हैं।

—रमणलाल व. देसाई

माइंड मैप

CG-1.2

1 लाला पटेल कौन/कैसे थे?

- गाँव के अनपढ़ बुज़ुर्ग
- एक स्वाभिमानी किसान

2 गाँव में क्या और क्यों खुला?

- लायब्रेरी, गाँववालों को पढ़ना-लिखना सिखाने के लिए

3 गाँव में हुए नामकरण

- लायब्रेरी—लायबरी
  ग्रंथपाल—किताब बाबू

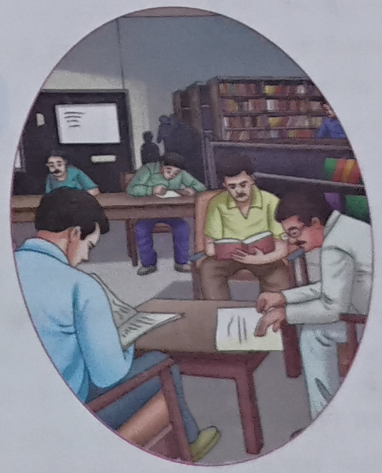

लाला पटेल की लायबरी

4 लायबरी में कौन-कौन आते थे?

- बड़े-बुज़ुर्ग, औरतें और बच्चे

5 किताब बाबू कौन था और उसे नौकरी क्यों छोड़नी पड़ी?

- केशव बाबू
- आज़ादी की लड़ाई में भाग लेने के कारण

6 लायब्रेरी को चलाने की ज़िम्मेदारी किसने उठाई?

- लाला पटेल ने

7 लायब्रेरी किस नाम से जानी गई?

- लाला पटेल की लायबरी

अभ्यास

बोलिए

1. **पढ़िए** CG-4.1

अंग्रेज़, बुज़ुर्ग, फ़रमान, गँवार, लायब्रेरी, पुस्तकालय, चौपाल, ग्रंथपाल, ग्रंथालय, पैदावार, आत्मविश्वास, शस्त्र

2. **बताइए**

क. सरकारी अफ़सर गाँववालों के साथ कैसा व्यवहार करते थे?

ख. मुखिया ने गाँववालों को क्या बताया?

ग. लायब्रेरी और ग्रंथपाल को गाँववालों ने क्या नाम दिया और क्यों?

घ. लाला पटेल ने केशव भाई से क्या सीखा?

3. **सोचिए/मूल्यपरक प्रश्न** CG-2.1 *(Life Skills and Values)*

गाँववाले पढ़ना-लिखना नहीं जानते थे लेकिन वे कुशल किसान और पशुपालक थे। अंग्रेज़ इन गाँववालों को अनपढ़-गँवार कहते थे? क्या यह उचित था? अपने विचार बताइए।

लिखिए

1. **सही उत्तर पर सही (✓) का निशान लगाइए—**

क. गाँव में क्या बनाने की तैयारी शुरू हो गई?

☐ स्टेडियम ☑ लायब्रेरी ☐ शस्त्रागार ☐ तरणताल

ख. केशव भाई कौन थे?

☐ कोच ☐ बढ़ई ☑ ग्रंथपाल ☐ मुखिया

2. **गद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए—** CG-2.2

एक दिन केशव भाई का चेहरा मुरझाया हुआ था। उसपर गहरी चिंता स्पष्ट दिख रही थी। लाला पटेल ने केशव भाई से पूछा, "क्या बात है केशव भाई? किस चिंता में हो?" केशव ने जवाब दिया, "सरकार का हुकुम आया है। मुझे नौकरी से छुट्टी दी गई है।" लाला को बहुत अचरज हुआ। उन्होंने केशव भाई से इस हुकुम का कारण पूछा। केशव भाई ने बताया, "हमारे गाँव के कुछ लड़के पकड़े गए हैं। वे आज़ादी की लड़ाई में शामिल हो गए थे। पुलिस कहती है कि लड़कों को मैंने भड़काया है।

क. केशव भाई का चेहरा क्यों मुरझाया हुआ था?

.....

ख. केशव भाई के गाँव के लड़के क्यों पकड़े गए थे?

.....

ग. समानार्थी व विलोम लिखिए— आज़ादी, जवाब।

.....

3. **कुछ शब्दों में उत्तर लिखिए—**

क. लाला पटेल कहाँ के रहने वाले थे?

.....

ख. गाँव में क्या सरकारी फ़रमान आया?

.....

ग. केशव भाई पर क्या आरोप लगा?

.....

घ. केशव भाई के बाद लायब्रेरी चलाने की ज़िम्मेदारी किसने ली?

.....

4. **कुछ वाक्यों में उत्तर लिखिए—**

क. लायब्रेरी बनने के बाद गाँववालों में क्या परिवर्तन आया?

ख. क्या सुनकर लायब्रेरी में जमा लोग परेशान हो गए थे और क्यों?

ग. लोगों की आँखों में चमक क्यों आ गई?

घ. लोगों ने गाँव की लायब्रेरी को 'लाला पटेल की लायबरी' नाम क्यों दिया?

5. **आशय स्पष्ट कीजिए—** CG-2.2

'लायब्रेरी', 'चरखा' और 'खेत' ये हमारे गाँव के मंदिर, मसजिद और गिरजाघर होंगे।

समझिए व्याकरण संबोध

1. **विलोम लिखिए—** CG-4.2

आज़ादी	×	गुलामी	नए	×	पुराने
शुरू	×	अंत	ज़मीन	×	आसमान
कठिन	×	सरल	साक्षर	×	निरक्षर

2. भाषा में सहजता व सरलता के लिए हम अनेक शब्दों या वाक्यांशों के स्थान पर एक शब्द का प्रयोग करते हैं; जैसे— वह स्थान जहाँ पठन-पाठन के लिए बहुत सारी पुस्तकें उपलब्ध हों— लायब्रेरी यानी ग्रंथालय (पुस्तकालय)

इन शब्दों के लिए वाक्यांश लिखिए— CG-4.2

किसान — जो खेती करता है

अनपढ़ — जो पढ़ा-लिखा ना हो।

साक्षर — जो पढ़ा-लिखा हो।

बढ़ई — लकड़ी का काम समान बनाने

बंजर — जो उपजाऊ न हो

ग्रंथपाल — पुस्तकालय का मुखिया

3. **पाठ से लायब्रेरी के पर्यायवाची शब्द चुनकर लिखिए—** CG-4.2

पुस्तकालय ग्रंथालय

4. शब्द में आए प्रत्येक वर्ण को अलग-अलग करना वर्ण-विच्छेद कहलाता है; जैसे—
भारत — भ् + आ + र् + अ + त् + अ

इन शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए— CG-5.1 (Phonics)

किसान — क् + ट् + स् + आ + न् + अ

शहर — श + अ + ह् + अ + र + अ

अनपढ़ — अ + न + अ + प + अ + ढ़ + आ

नौकरी — न + औ + क् + अ + र + ई

5. **वर्ग-पहेली से संज्ञा को चुनकर उचित स्थान पर लिखिए—** CG-3.4

ला	य	ब्रे	री	टे
ला	अ	हिं	सा	गाँ
प	ला	के	श	व
टे	आ	ज़ा	दी	र
ल	ड़	का	पा	क

व्यक्तिवाचक संज्ञा	जातिवाचक संज्ञा	भाववाचक संज्ञा
लाला पटेल	लायब्रेरी	हिंसा
केशव		
दीपा		

6. संज्ञा के स्थान पर आने वाले शब्द **सर्वनाम** कहलाते हैं; जैसे— वे, उन्हें, हम आदि।

वाक्यों में आए सर्वनाम शब्दों को रेखांकित कीजिए— CG-3.4

क. लाला पटेल गाँव के बुजुर्ग थे। सब उनकी सलाह लेते।

ख. लोगों के लिए नाम कठिन थे। उन्होंने अपने नाम ईजाद कर लिए।

ग. केशव भाई का काम बढ़ गया। वे लोगों को साक्षर बनाना चाहते थे।

घ. केशव ने जवाब दिया— मुझे नौकरी से छुट्टी दे दी गई है।

1315

कीजिए विषय संवर्धन गतिविधियाँ (Subject Enrichment Activities)

1. देशभक्ति पर आधारित कुछ फ़िल्में— शहीद, आनंद मठ, नया दौर, मंगल पांडे आदि देखकर जानिए कि अंग्रेज़ भारतीयों के साथ कैसा व्यवहार करते थे। फ़िल्म देखकर प्राप्त अनुभव को अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए। *https://youtube.com* CG-1.3 (ICT/Knowledge of India)
2. पुस्तकालय के महत्व व उपयोग करने के नियम पर चर्चा कीजिए। CG-1.1 (Communication)
3. किसान व सैनिक के बारे में जानकारी एकत्र कीजिए। प्राप्त जानकारी को कक्षा में अपने सहपाठी के साथ संवाद रूप में व्यक्त कीजिए। CG-1.3 (Communication)

क्या होता यदि... (Critical Thinking)

- आपके विद्यालय में पुस्तकालय नहीं होता। CG-2.1

सीखिए

शब्दार्थ एवं टिप्पणियाँ (विशिष्ट प्रयोग) CG-4.1

आज़ादी — स्वतंत्रता
फ़रमान — आदेश
अनपढ़ — जो पढ़ा-लिखा न हो
सलाह — राय/मशवरा
चौपाल — बैठक
साक्षर — पढ़ा-लिखा, शिक्षित
हुकुम — आदेश
खिलाफ़ — विरुद्ध
पैदावार — उपज
बंजर — अनुपजाऊ

मुहावरे

दिन दूनी रात चौगुनी होना — तरक्की करना/आगे बढ़ना CG-4.1
आँखों में चमक आना — बहुत खुश होना

ज़रा हमसे भी मिलो

(Global Awareness)

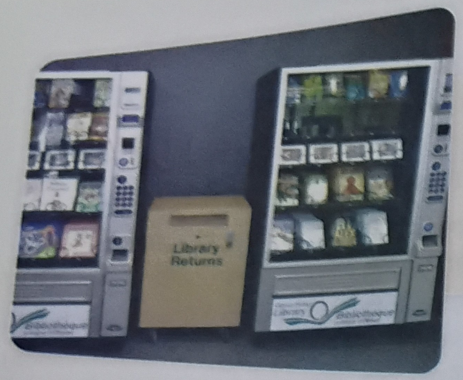

वेंडिंग मशीन लाइब्रेरी— कैलिफोर्निया में वेंडिंग मशीन की तरह की लाइब्रेरी तैयार की गई है। इसमें पैसे डालने पर आपकी चुनी हुई पुस्तक निकल आती है।

ऊँट पुस्तकालय— केन्या में ऊँट पुस्तकालय काफी लोकप्रिय है। यहाँ देश के खानाबदोश लोगों तक पुस्तकें पहुँचाने का काम किया जाता है। अब यह विश्व के रेगिस्तानी इलाकों में भी प्रचलित हो गया है।

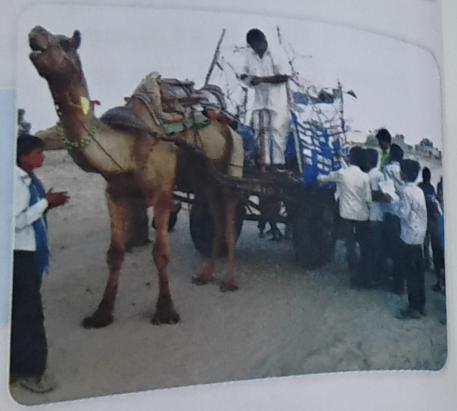

मेलबॉक्स लाइब्रेरी— इस तरह की लाइब्रेरी इंगलैंड और यूरोप में मिलती है। सार्वजनिक स्थानों जैसे पार्क, स्ट्रीट में बनी इस लाइब्रेरी में लोग पढ़ी हुई पुस्तक रख देते हैं और नई पुस्तक उठा लेते हैं।

गिनती

(Cross-Curricular Learning)

1 = १ = एक
2 = २ = दो
3 = ३ = तीन
4 = ४ = चार
5 = ५ = पाँच
6 = ६ = छह
7 = ७ = सात
8 = ८ = आठ
9 = ९ = नौ
10 = १० = दस
11 = ११ = ग्यारह
12 = १२ = बारह
13 = १३ = तेरह
14 = १४ = चौदह
15 = १५ = पंद्रह
16 = १६ = सोलह
17 = १७ = सत्रह
18 = १८ = अठारह
19 = १९ = उन्नीस
20 = २० = बीस
21 = २१ = इक्कीस
22 = २२ = बाईस
23 = २३ = तेईस
24 = २४ = चौबीस
25 = २५ = पच्चीस
26 = २६ = छब्बीस
27 = २७ = सत्ताईस
28 = २८ = अट्ठाईस
29 = २९ = उनतीस
30 = ३० = तीस
31 = ३१ = इकतीस
32 = ३२ = बत्तीस
33 = ३३ = तैंतीस
34 = ३४ = चौंतीस
35 = ३५ = पैंतीस
36 = ३६ = छत्तीस
37 = ३७ = सैंतीस
38 = ३८ = अड़तीस
39 = ३९ = उनतालीस
40 = ४० = चालीस
41 = ४१ = इकतालीस
42 = ४२ = बयालीस
43 = ४३ = तैंतालीस
44 = ४४ = चवालीस
45 = ४५ = पैंतालीस
46 = ४६ = छियालीस
47 = ४७ = सैंतालीस
48 = ४८ = अड़तालीस
49 = ४९ = उनचास
50 = ५० = पचास
51 = ५१ = इक्यावन
52 = ५२ = बावन
53 = ५३ = तिरपन
54 = ५४ = चौवन
55 = ५५ = पचपन
56 = ५६ = छप्पन
57 = ५७ = सत्तावन
58 = ५८ = अट्ठावन
59 = ५९ = उनसठ
60 = ६० = साठ
61 = ६१ = इकसठ
62 = ६२ = बासठ
63 = ६३ = तिरसठ
64 = ६४ = चौंसठ
65 = ६५ = पैंसठ
66 = ६६ = छियासठ
67 = ६७ = सड़सठ
68 = ६८ = अड़सठ
69 = ६९ = उनहत्तर
70 = ७० = सत्तर
71 = ७१ = इकहत्तर
72 = ७२ = बहत्तर
73 = ७३ = तिहत्तर
74 = ७४ = चौहत्तर
75 = ७५ = पचहत्तर
76 = ७६ = छिहत्तर
77 = ७७ = सतहत्तर
78 = ७८ = अठहत्तर
79 = ७९ = उनासी
80 = ८० = अस्सी
81 = ८१ = इक्यासी
82 = ८२ = बयासी
83 = ८३ = तिरासी
84 = ८४ = चौरासी
85 = ८५ = पचासी
86 = ८६ = छियासी
87 = ८७ = सतासी
88 = ८८ = अठासी
89 = ८९ = नवासी
90 = ९० = नब्बे
91 = ९१ = इक्यानवे
92 = ९२ = बानवे
93 = ९३ = तिरानवे
94 = ९४ = चौरानवे
95 = ९५ = पचानवे
96 = ९६ = छियानवे
97 = ९७ = सतानवे
98 = ९८ = अठानवे
99 = ९९ = निन्यानवे
100 = १०० = सौ

MADHUBUN®

Revised Edition

ज्ञान का आधान

As per NCF 2023

योग्यता का निर्माण

मूल्यों का विकास

सकारात्मक मनोवृत्ति का विकास

मधुप

हिंदी पाठमाला 5

360° Learning

mystudygear

Download

Name Suheera Asif

Subject Hindi

D. 5th C DIV.

ll No.

hool The Scholar School

लोकतांत्रिक एवं सामुदायिक भागीदारी

आर्थिक भागीदारी

सांस्कृतिक भागीदा